सबसे हल्के स्वदेशी 'कवच' को नहीं भेद सकेंगी गोलियां

■ सुहेल खान

कानपुर। स्नाइपर जैसे हथियार की स्टील की गोलियों को रोक देने वाली बुलेट प्रूफ जैकेट कानपुर में बनाई गई है। छह गोलियां भी इसे भेद नहीं सकतीं। दावा है कि इस श्रेणी की यह सबसे हल्की बुलेट प्रूफ जैकेट है।

इस जैकेट को डीआरडीओ की कानपुर स्थित रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास संस्थान (डीएमएसआरडीई) ने तैयार किया है। इसका वजन 9.8 किलोग्राम है, जो भारतीय मानक ब्यूरो के मानक वजन से भी कम है। आमतौर पर थ्रेट लेवल सिक्स की ज्यादातर बुलेटप्रूफ जैकेट 12 से 13 किलोग्राम की होती हैं, जो सशस्त्र बलों के जवानों को पहनने में भारी महसूस होती है। इससे ऑपरेशन में भी कठिनाइयां आती हैं। डीएमएसआरडीई ने बुधवार को इसे लॉन्च किया।

ऐसा दावा है कि इस जैकेट को एक के बाद एक स्टील की छह गोलियां भी नहीं भेद सकती हैं। यह बुलेट को 50-60 मिमी की इंटरशॉट दूरी पर रोक लेती है। इसके संपर्क में आने पर गोलियों के टुकड़े हो जाएंगे। मोनोलिथिक सिरेमिक और पॉलीमर बैकिंग पदार्थ से बने होने से यह काफी हल्की जैकेट है। अफसरों का कहना है कि यह अब तक मोनोलिथिक प्लेट से बनी पहली सबसे हल्की जैकेट है, जो एके-47, एके-56 से ज्यादा खतरनाक स्नाइपर की 7.62 गुणा 54 आर एपीआई राउंड की स्टील बुलेट को भी कई टुकड़ों में तोड़कर सुरक्षा देगी।

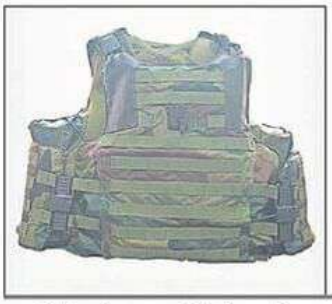

9.8 किलोग्राम है इस जैकेट का वजन

12 किलो की सामान्य बुलेटप्रूफ जैकेट होती है

■ सशस्त्र बलों को इस जैकेट के साथ ऑपरेशन में सहूलियत होगी

अलग है बुलेट प्रूफ जैकेट

- सामान्य बुलेट प्रूफ जैकेट से इसका वजन तीन किलो कम है।
- अभी तक देश में थ्रेट लेवल फाइव तक बुलेट प्रूफ जैकेट बनी हैं। यह थ्रेट लेवल सिक्स श्रेणी की है।
- अन्य जैकेट एके-47 या एके-56 से सुरक्षा देती है। यह स्नाइपर की गोलियां भी रोक सकती है।

निर्माण कंपनी को तकनीक देंगे

डीएमएसआरडीई ने इस तकनीक को विकसित किया है। चंडीगढ़ की टर्मिनल बैलिस्टिक अनुसंधान प्रयोगशाला में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है। डीएमएसआरडीई इस तकनीक को बुलेटप्रूफ जैकेट बनाने वाली कंपनियों को देगी। इस जैकेट को सेना, सीमा सुरक्षा के सशस्त्र बल, वीवीआईपी की सुरक्षा में तैनात गार्डों और सिविल पुलिस के लिए बनाया गया है। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक इस तकनीक की जैकेटों का निर्यात करने में मुश्किलें आती थीं। जवानों की सुरक्षा में यह बड़ा कदम साबित होगा।